



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 82]
No. 82]नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 6, 1998/माघ 17, 1919
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 6, 1998/MAGHA 17, 1919

खाद्य और उपभोक्ता मामले मंत्रालय

(उपभोक्ता मामले विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 6 फरवरी, 1998

का. आ. 109(अ)।—केन्द्रीय सरकार ने अधिसूचना सं. का. आ. 1217 तारीख 8 सितम्बर, 1956 द्वारा बॉम्बे ऑफिलसीहस एंड ऑफिल्स एक्सचेंज लि. (बी. ओ. ओ. ई.) सुन्बहु (जिसका उल्लेख इसके बाद उक्त एसोसिएशन के रूप में किया जाएगा) को एरण्डी में अग्रिम संविदाओं के बाबत 8 सितम्बर, 1956 से मान्यता प्रदान की है;

भारत सरकार ने उक्त एसोसिएशन के माध्यम से अरण्डी के अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को अनुशासन करने का विनिश्चय किया है;

उक्त एसोसिएशन ने अग्रिम संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1952 (1952 का 74) की धारा 5 के अधीन अंतर्राष्ट्रीय एरण्डी तेल अग्रिम संविदा व्यापार को मान्यता देने के लिए आवेदन किया है और उक्त आवेदन पर व्यायदा बाजार आयोग के परामर्श से विचार किया गया है;

केन्द्रीय सरकार यो यह समाधान हो गया है कि यह व्यापार के हित में और लोकहित में भी होगा कि उक्त एक्सचेंज को जिसे उक्त अधिनियम की धारा 5 के अधीन आवेदन किया है, मान्यता प्रदान की जाए;

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एक्सचेंज को एरण्डी तेल से संबंधित अग्रिम संविदाओं (विनिर्दिष्ट परिदाम संविदाओं से भिन्न) जिसमें ऐसी अग्रिम संविदाएं सम्मिलित हैं जिनमें संविदा के एक या दोनों भागीदार पार्टीयां विदेशी हों, 1-4-1998 से 31-3-2001 तक की तीन वर्षों की अवधि के लिए (जिसमें दोनों दिन सम्मिलित हैं) मान्यता प्रदान करती है और यह निम्नलिखित शर्तों के अधीन होगा, अर्थात् :—

- इन अग्रिम संविदाओं का व्यापार उक्त एक्सचेंज के संपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय अरण्डी तेल के व्यायदा एक्सचेंज प्रभाग में दिया जाएगा;
- उक्त एसोसिएशन का अंतर्राष्ट्रीय एरण्डी तेल का व्यायदा एक्सचेंज प्रभाग निम्नलिखित का पालन करेगा :—
 - अंतर्राष्ट्रीय एरण्डी तेल के व्यायदा एक्सचेंज के प्रभाग में भाग लेने वालों के लिए समय-समय पर संशोधित केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांत;
 - विदेशी मुद्रा के आवश्यक प्रेषणों और विदेशी मुद्रा के संप्रत्यावर्तन के मामले में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा समय-समय पर जारी किए गए स्थाई अनुदेश और मार्गदर्शक सिद्धांत;
 - अग्रिम संविदाओं के संबंध में समय-समय पर केन्द्रीय सरकार, व्यायदा बाजार आयोग और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा जारी किए गए निदेश/अनुदेश;

(iii) उक्त एक्सचेंज के अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली तेल के बायदा एक्सचेंज प्रभाग के व्यापार निम्नलिखित के पश्चात् ही प्रारंभ होगा :—
 (क) केन्द्रीय सरकार द्वारा बी. ओ. ई. के एक्सचेंज ज्ञापन और एक्सचेंज अनुच्छेद तथा उपसिधियों में संशोधनों का केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन कर दिया गया हो;
 (ख) एक स्वतंत्र समाशोधन गृह निर्गमित किया गया हो और उसके एक्सचेंज अनुच्छेद और उपसिधियों का केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदन किया गया हो।

(iv) एक्सचेंज के अंतर्राष्ट्रीय प्रणाली तेल के बायदा एक्सचेंज प्रभाग के सदस्य को केवल उन संविदाओं में व्यापार करने की अनुमति होगी जिनका व्यापार उक्त एक्सचेंज के उस प्रभाग में किया जा रहा हो।

[फार्मल संख्या 12/(2)/आई टी/98]
 कमल किशोर, वार्थिक सलाहकार

MINISTRY OF FOOD AND CONSUMER AFFAIRS

(Department of Consumer Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 6th February, 1998

S.O. 109(E).—Whereas the Central Government has vide notification number S.O. 1217 dated the 8th September, 1956, granted recognition to the Bombay Oilseeds and Oil Exchange Limited (BOOE), Mumbai (hereinafter referred to as the said Association) with effect from the 8th September, 1956 in respect of forward contracts in castorseed;

And whereas the Government of India has decided to permit international castor oil futures trading through the said Association;

And whereas the said Association has made an application under Section 5 of the Forward Contracts (Regulation) Act, 1952 (74 of 1952), for the recognition to trade international castor oil futures contract and the said application has been considered in consultation with the Forward Markets Commission;

And whereas the Central Government is satisfied that it shall be in the interest of the trade and also in the public interest to grant recognition to the said Association which has made an application under section 5 of the said Act;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 6 of the said Act, the Central Government hereby grants recognition to the said Association in respect of forward contracts (other than specific delivery contracts), including a forward contract where one or both the parties to the contract may be foreign participant(s), in castor oil for a period of three years with effect from 1-4-1998 to 31-3-2001 (both days inclusive), and subject to the following conditions, namely :—

- (i) The forward contracts shall be traded through the International Castor Oil Futures Exchange Division of the said Association.
- (ii) The International Castor Oil Futures Exchange Division of the said Association shall comply with :—
 - (a) the guidelines issued by the Central Government, as amended from time to time for the participants in the International Castor Oil Futures Exchange Division;
 - (b) standing instructions and guidelines issued by the Reserve Bank of India from time to time in the matter of inward remittances of foreign exchange and repatriation of foreign exchange;
 - (c) directions/instructions issued by the Central Government, Forward Markets Commission and the Reserve Bank of India from time to time in connection with the forward contracts;
- (iii) The trading in the International Castor Oil Futures Exchange Division of the said Association shall commence only after—
 - (a) amendments to the Memorandum and Articles of Association and bye-laws of the BOOE have been approved by the Central Government; and
 - (b) an independent clearing house has been incorporated and its Articles of Association and bye-laws have been approved by the Central Government.
- (iv) a Member of the International Castor Oil Futures Exchange Division of the Exchange shall be permitted to trade only in the contracts traded in that division of the said Association.

[File No. 12/(2)IT/98]
 KAMAL KISHORE, Economic Adviser